



दैनिक समाचार पत्र भारतार्थ खबर

खबर नहीं, उसका अर्थ

देश | समाज | राजनीति | अर्थव्यवस्था | शिक्षा | संस्कृति | दुनिया



51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र, रोजगार मेले में बड़ा रोजगार अपडेट



भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com
संवाददाता अशोक कुमार सिंह
नई दिल्ली, 19 सितंबर 2026।
देश के युवाओं के लिए रोजगार से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। 20वें रोजगार मेले के दौरान 51 हजार से

अधिक नवनि्युक्त युवाओं को सरकारी सेवा के नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन देशभर के 45 स्थानों पर किया गया। नवनि्युक्त युवाओं को केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में जिम्मेदारी मिलेगी। इनमें रेल

अग्निवीरों के लिए रोजगार की राह, CAPF और रेलवे आरक्षण

भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com

नई दिल्ली, 19 सितंबर 2026।
अग्निपथ योजना के तहत चार वर्ष की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों के आगे के रोजगार को लेकर केंद्र सरकार ने व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। सरकार ने पूर्व अग्निवीरों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल में भर्ती के प्रावधानों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। वहीं, भारतीय रेलवे ने भी पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षण की व्यवस्था लागू की है। सीएपीएफ में 50 प्रतिशत आरक्षण गृह मंत्रालय ने जुलाई 2026 में लोकसभा में दी जानकारी में बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और असम राइफल में कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) / राइफलमैन के पदों पर पूर्व अग्निवीरों के लिए 50 प्रतिशत रिक्रिया आरक्षित की गई है। इसके साथ निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट का प्रावधान है। अग्निपथ योजना के पहले बैच के

पूर्व अग्निवीरों को अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की अतिरिक्त छूट देने की बात भी सरकार ने कही है।



सरकार के अनुसार पूर्व अग्निवीरों को इस भर्ती प्रक्रिया में शारीरिक मानक परीक्षण (PST), शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) और लिखित परीक्षा से छूट का प्रावधान भी किया गया है। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने पूर्व अग्निवीरों से संबंधित मामलों के समन्वय के लिए एक समर्पित

भी रोजगार का प्रावधान पूर्व अग्निवीरों के लिए रेलवे में भी आरक्षण की व्यवस्था है। सरकार के अनुसार लेवल-1 के पदों पर 10 प्रतिशत और लेवल-2 तथा उससे ऊपर के पदों पर 5 प्रतिशत पद पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित हैं। फरवरी 2026 में भारतीय रेलवे और भारतीय सेना ने अग्निवीरों तथा पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से सहयोग का एक ढांचा भी शुरू किया था। चार साल की सेवा के बाद क्या होगा? अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने वाले युवाओं की सैन्य सेवा अवधि चार वर्ष निर्धारित है। योजना के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक बैच के अधिकतम 25 प्रतिशत अग्निवीरों को प्रदर्शन, आवश्यकता और निर्धारित चयन प्रक्रिया के आधार पर सशस्त्र बलों में नियमित कैंडर के लिए चुना जा सकता है। शेष अग्निवीर चार वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद सेवा से बाहर होते हैं। सरकार ने इन पूर्व अग्निवीरों के लिए विभिन्न सरकारी और सुशास्त्र क्षेत्र की नौकरियों में अवसर उपलब्ध

कराने के लिए अलग-अलग नीतिगत प्रावधान किए हैं। हालांकि, किसी विशेष पद पर नियुक्ति संबंधित भर्ती नियम, रिक्रिया और चयन प्रक्रिया के अनुसार ही होगी। रोजगार के लिए संस्थागत समन्वय पर जोर गृह मंत्रालय के अनुसार पूर्व अग्निवीरों की आगे की प्रगति और रोजगार संबंधी मामलों के समन्वय के लिए विशेष व्यवस्था बनाई गई है। इससे चार वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद नागरिक क्षेत्र में रोजगार तलाशने वाले पूर्व अग्निवीरों को उपलब्ध सरकारी अवसरों की जानकारी और प्रक्रियाओं तक पहुंच आसान बनाने का उद्देश्य है। अग्निपथ योजना के शुरूआती बैचों के चार वर्ष पूरे होने के साथ पूर्व अग्निवीरों के पुनर्नियोजन का विषय अब व्यावहारिक चरण में पहुंच रहा है। ऐसे में सीएपीएफ, रेलवे और अन्य सरकारी क्षेत्रों में उपलब्ध आरक्षण एवं आयु-छूट जैसे प्रावधान उनके आगे के रोजगार विकल्पों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, अंतिम नियुक्ति संबंधित विभाग की भर्ती प्रक्रिया और उपलब्ध रिक्रिया पर निर्भर करेगी।

जापान में Made-in&India कारों का जलवा, 1 लाख निर्यात

भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com
नई दिल्ली, 19 सितंबर 2026।
भारत में निर्मित कारों ने जापान के ऑटोमोबाइल बाजार में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। मारुति सुजुकी इंडिया की FRONX, Jimny 5-door और e VITARA की जापान को संयुक्त निर्यात संख्या एक लाख यूनिट से अधिक हो गई है। कंपनी के अनुसार यह उपलब्धि भारत के विनिर्माण और निर्यात क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 2024 में शुरू हुआ निर्यात जापान के लिए इस नए निर्यात दौर की शुरुआत अगस्त 2024 में FRONX से हुई थी। कंपनी ने गुजरात के पीपावाव बंदरगाह से जापान के लिए 1,600 से अधिक थ्रक्यू की पहली खेप रवाना की थी। इसके बाद दिसंबर 2024 में श्रपउदल 5-कववत को जापान के निर्यात मॉडल में शामिल किया गया। सितंबर 2025 में कंपनी की पहली बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन म टप्पू। भी इस सूची में शामिल हो गई। कंपनी के अनुसार Jimny 5-कववत और म VITARA का निर्माण भारत में ही होता है।

जापान बना दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार मारुति सुजुकी के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में जापान कंपनी

आयात करने वाली कंपनियों में शीर्ष पर रहा। भारत बना वैश्विक उत्पादन केंद्र मारुति सुजुकी का कहना है कि

है। यह आंकड़ा कंपनी द्वारा उद्योग संगठन SIAM के उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर बताया गया है।



का निर्यात के लिहाज से दूसरा सबसे बड़ा बाजार रहा। अप्रैल से अगस्त 2026 के दौरान भी जापान ने यह स्थान बनाए रखा। कंपनी ने यह भी बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में जापान में सुजुकी द्वारा आयात किए गए वाहनों में लगभग पूरी हिस्सेदारी मारुति सुजुकी द्वारा भारत में निर्मित वाहनों की थी। इसी अवधि में सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन जापान का वाहन

वह सुजुकी के वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से करीब 120 देशों में वाहनों का निर्यात करती है। कंपनी वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 तक भारत की यात्री वाहन निर्यातक कंपनियों में शीर्ष पर रही है। अप्रैल-अगस्त 2026 के दौरान कंपनी ने 1.8 लाख से अधिक वाहनों का निर्यात किया। कंपनी के अनुसार भारत के यात्री वाहन निर्यात में उसकी हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक रही

FRONX और Jimny की वैश्विक मांग भारत निर्मित FRONX की अंतरराष्ट्रीय मांग भी लगातार बढ़ी है। अगस्त 2026 में कंपनी ने बताया कि FRONX के भारत से कुल निर्यात ने दो लाख यूनिट का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि मॉडल के निर्यात शुरू होने के 38 महीने से भी कम समय में हासिल हुई। FRONX को करीब 90 देशों में निर्यात किया जा रहा है।

वहीं श्रपउदल 5-कववत ने भी भारत से एक लाख से अधिक संचयी निर्यात का आंकड़ा पार किया है। कंपनी के अनुसार जापान, मैक्सिको, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और चिली इसके प्रमुख निर्यात बाजारों में शामिल हैं। 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' तक मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिंसाशी ताकेउची ने जापान को एक लाख से अधिक वाहनों के निर्यात को भारत की विनिर्माण क्षमता और भारत-जापान औद्योगिक साझेदारी से जोड़ते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। कंपनी के अनुसार जापानी बाजार में भारतीय निर्मित वाहनों की स्वीकार्यता ने भारत की वैश्विक उत्पादन क्षमता को भी रेखांकित किया है। भारत से जापान को FRONX, Jimny 5-कववत और म VITARA का एक लाख से अधिक संयुक्त निर्यात इस बात का संकेत है कि भारतीय कार विनिर्माण अब घरेलू बाजार तक सीमित नहीं है। हालांकि किसी भी बाजार में निर्यात की मांग समय, मॉडल और उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुसार बदल सकती है। जापान में इन तीन मॉडलों का प्रदर्शन फिलहाल भारत के बढ़ते ऑटोमोबाइल निर्यात का एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

20 राज्यों में बारिश का अलर्ट, तेज हवाओं और आकाशीय बिजली की चेतावनी



भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com
संवाददाता अशोक कुमार सिंह
नई दिल्ली, 19 सितंबर 2026।
मानसून की विदाई की आहट के बीच देश के कई हिस्सों में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। 19 सितंबर को उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश,

महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, झारखंड समेत कई राज्यों में बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी राजस्थान, ओडिशा, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। वहीं गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।
उत्तर प्रदेश और बिहार के कई हिस्सों में भी बारिश और तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की गई है। कुछ प्रभावित क्षेत्रों में हवा की गति 70 से 75 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना बताई गई है।
ऐसे मौसम में बिजली गिरने, पेड़ या कमजोर ढांचे गिरने और स्थानीय यातायात प्रभावित होने का खतरा बढ़ सकता है। इस बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून की पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से वापसी की शुरुआत भी 19 सितंबर के आसपास होने की संभावना है। हालांकि मानसून की वापसी शुरू होने का अर्थ यह नहीं है कि देशभर में बारिश तुरंत समाप्त हो जाएगी। आने वाले दिनों में कई राज्यों में बारिश का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान है।

एशियन गेम्स 2026 का आगाज, मनु भाकर और पवन सहरावत ने थामा तिरंगा



भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com
नागोया, जापान, 19 सितंबर 2026। जापान के आइची-नागोया में शनिवार को 20वें एशियन गेम्स का भव्य आगाज हुआ। रंगारंग और हाईटेक उद्घाटन समारोह के साथ एशिया के इस बड़े खेल आयोजन

की औपचारिक शुरुआत हुई। जापान के सम्राट नारुहितो ने खेलों के उद्घाटन की घोषणा की। उद्घाटन समारोह में भारत की ओर से ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और स्टार कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत ने तिरंगा थामकर भारतीय दल का नेतृत्व किया। दोनों

ध्वजवाहकों के नेतृत्व में भारतीय खिलाड़ियों ने एथलीट परेड में हिस्सा लिया। पवन सहरावत को अंतिम समय में पुरुष ध्वजवाहक बनाया गया। इससे पहले शॉटपुट खिलाड़ी ताजिंदरपाल सिंह तूर को यह जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन समारोह के लिए जरूरी आधिकारिक फिट समय पर नहीं मिलने के कारण उन्हें ध्वजवाहक की भूमिका से हटाना पड़ा। इस बार एशियन गेम्स में 45 देशों और क्षेत्रों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं और प्रतियोगिताएं 43 खेलों में आयोजित की जा रही हैं। भारतीय दल पिछले एशियन गेम्स के प्रदर्शन के बाद एक बार फिर पदक तालिका में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद के साथ मैदान में उतरा है। मनु भाकर ने भारतीय खिलाड़ियों से प्रतियोगिता के अनुभव का आनंद लेने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का संदेश भी दिया है। एशियन गेम्स के शुरू होने के साथ अब भारतीय खिलाड़ियों की नजरें विभिन्न खेलों में पदक जीतने पर रहेगी।

रूसी तेल पर अमेरिकी कानून से भारत के सामने नई व्यापारिक चुनौती



भारतार्थ खबर
Bhaaratarth.com

संवाददाता अशोक कुमार सिंह
नई दिल्ली, 19 सितंबर 2026।

अमेरिका में रूस और ईरान पर प्रतिबंधों से जुड़े नए कानून के लागू

होने के बाद भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंधों को लेकर नई चुनौती सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 18 सितंबर 2026 को रूस और ईरान से संबंधित प्रतिबंधों तथा टैरिफ प्रावधानों वाले कानून पर हस्ताक्षर किए हैं। नए कानून में रूस के प्रमुख तेल और गैस खरीदार देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रावधान शामिल है। इसके तहत कुछ परिस्थितियों में टैरिफ 100 प्रतिशत तक हो सकता है। भारत उन प्रमुख देशों में शामिल है जिन पर इस प्रावधान का संभावित असर पड़ सकता है। हालांकि, अभी भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की घोषणा नहीं हुई है। भारत ने अमेरिका के सामने इस कानून के संभावित प्रभाव को लेकर अपनी चिंताहिर की है। भारतीय पक्ष का

कहना है कि देश की प्राथमिकता अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखना और विभिन्न स्रोतों से कच्चे तेल की आपूर्ति बनाए रखना है। भारत दुनिया के बड़े कच्चे तेल आयातकों में शामिल है और रूसी तेल उसकी ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। ऐसे में यदि अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ लागू होते हैं, तो इसका असर भारत-अमेरिका व्यापार, तेल बाजार और आयात लागत पर पड़ सकता है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि अमेरिका इस नए अधिकार का इस्तेमाल किस तरह और किन देशों के खिलाफ करता है। भारत के लिए आने वाले दिनों में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक वार्ता और वैश्विक तेल बाजार की स्थिति महत्वपूर्ण रहेगी।

